No. of Printed Pages : 4 **बी.एच.डी.ई.-108 / ई.एच.डी.-8**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

00411 **दिसम्बर, 2018**

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

बी.एच.डी.ई.-108 / ई.एच.डी.-8 : प्रयोजनमूलक हिन्दी

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *खण्ड क से **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । खण्ड ख से **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । खण्ड ग के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

खण्ड क

*निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए ।*

1. वर्तनी-संबंधी मानकीकरण के नियमों पर प्रकाश डालिए । *20*

2. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूपों का परिचय दीजिए । *20*

3. वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन की विशेषताएँ बताइए । *20*

4. समाचार का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए अच्छे समाचार लेखक के गुणों का उल्लेख कीजिए । *20*

खण्ड ख

*निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए ।*

5. मौखिक भाषा के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए । *10*

6. लिपि और वर्तनी के पारस्परिक संबंधों की चर्चा कीजिए । *10*

7. अर्थ के आधार पर वाक्य-संरचना पर प्रकाश डालिए । *10*

8. हिन्दी के मानकीकरण की चर्चा कीजिए । *10*

9. भारतीय निर्वाचन आयोग की ओर से लोकसभा के आम चुनावों-संबंधी एक अधिसूचना का प्रारूप तैयार कीजिए । *10*

10. टिप्पणी-लेखन के विभिन्न प्रकारों पर प्रकाश डालिए । *10*

11. बैंकों में हिन्दी के प्रयोग का उल्लेख कीजिए । *10*

12. विधि के क्षेत्र में हिन्दी के प्रयोग पर प्रकाश डालिए । *10*

खण्ड ग

*इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

13. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए : *5×2=10*

(क) संयुक्त वाक्य को उदाहरण सहित समझाइए ।

(ख) प्रयोजनमूलक हिन्दी की परिभाषा दीजिए ।

(ग) प्रयुक्ति किसे कहते हैं ? बताइए ।

(घ) हिन्दी वाक्यों में अन्विति किन घटकों के अनुसार होती है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) दृश्य माध्यम के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख कीजिए ।

14. निम्नलिखित शब्दों के हिन्दी पर्याय बताइए : *5×1=5*

(क) Treatment

(ख) Mythology

(ग) Calculation

(घ) Rule

(ङ) Translation

15. निम्नलिखित में से *सही* अथवा *ग़लत* कथन का उल्लेख कीजिए : $5 \times 1 = 5$

(क) सामान्य हिन्दी में उर्दू और देशज शब्दों का प्रयोग नहीं होता ।

(ख) भाषा के आधुनिकीकरण में कोड-मिश्रण नहीं होता ।

(ग) वैज्ञानिक शब्दावली में मानकीकरण की आवश्यकता नहीं है ।

(घ) नासिक्य ध्वनियों को अनुस्वार से भी लिख सकते हैं ।

(ङ) मौलिक लेखन से भाषा का सहज और स्वाभाविक विकास होता है ।